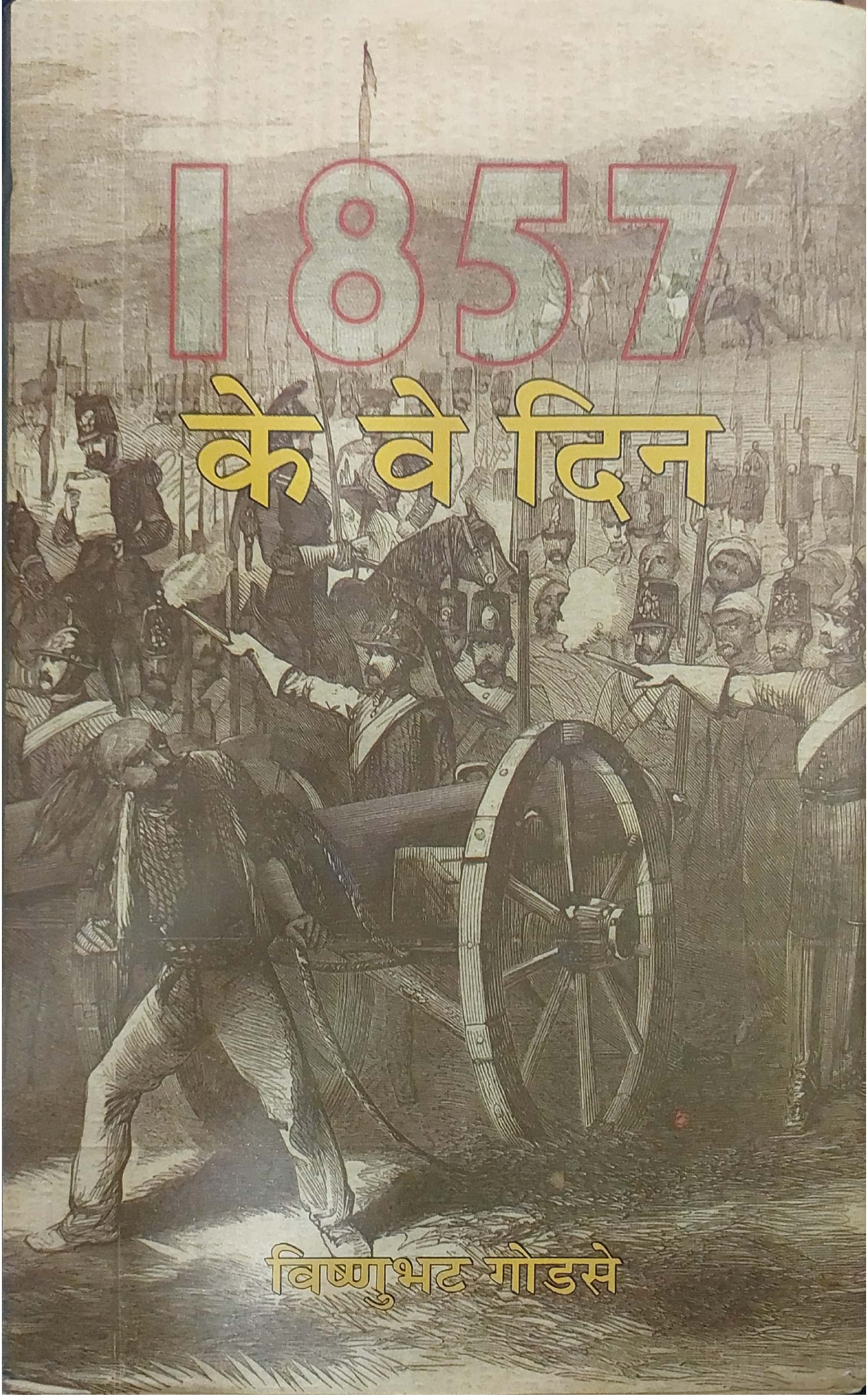

1857 के वे दिन

विष्णुभट गोडसे

Scanned by CamScanner

1857 के वे दिन

विष्णुभट गोडसे

अनुवाद

डॉ० अमोल पालकर

मेधा बुक्स

नवीन शाहदरा, दिल्ली-110 032

Scanned by CamScanner

प्रकाशक
मेधा बुक्स
एक्स-11, नवीन शाहदरा
दिल्ली-110 032
✆ 22 32 36 72
medhabooks@gmail.com

मूल्य
250.00
$ 12.00
£ 8.00

© सुरक्षित

प्रथम संस्करण
सन् 2017

आवरण
ओजस्वी ग्राफिक्स

मुद्रक
अजय प्रिंटर्स
दिल्ली-110032

1857 KE VE DIN
by
VishnuBhatt Godse
translated by
Dr. Amol Palkar

ISBN 978-81-8166-473-0

Scanned by CamScanner

अनुक्रम

प्रथम अध्याय : **प्रास्ताविक** 19

विष्णुपंत के माता-पिता • बचपन • ज्ञानार्जन प्रारंभ • विवाह • हरिपंत और कृष्णाबाई का विवाह • भाई जैसे राम-लक्ष्मण-भरत • बायजाबाई साहब शिंदे के यहाँ सर्वतोमुख यज्ञ • यात्रा का संकल्प और उसमें बाधाएँ • पिताजी का उपदेश • प्रस्थान का समय आ गया • घरवालों से प्यार-भरी विदाई • फाल्गुन वदी 5 सवंत् 1778

द्वितीय अध्याय : **वाघोली से प्रस्थान** 30

यजुर्वेदी ब्राह्मण को सर्पदंश • रम्य सातपुड़ा • गदर की सूचना • कारतूस प्रकरण • तारीख दस जून • महू की छावनी जलाई • उज्जैन तो पहुँचे • विष्णुपंत जोशी के यहाँ मुकाम • धारानगर के राजा पवार • राजासाहब के अंत्येष्टि समय दानधर्म • ग्वालियर में बायजाबाई साहब की मुलाकात

तृतीय अध्याय : **झाँसीवाली का बचपन** 45

गंगाधर बाबा • छबीली का विवाह • झाँसी को प्रस्थान • तात्या टोपे • गुलसराई के केशवराव जी से युद्ध और उन्हें कैद • तात्या ने कानपुर जीत लिया • अग्निबोट प्रकरण • कानपुर की लड़ाई • श्रीमंत का लखनऊ की ओर प्रस्थान • श्रीमंत और स्त्रियों की दुर्दशा • ब्रह्मावर्त में कत्लेआम और लूटमार • सरस्वतीबाई साहब का स्मारक नष्ट किया • लखनऊ की हार • तात्या टोपे ने कालपी जीत लिया • झाँसी में मांडवगणे के यहाँ मुकाम

Scanned by CamScanner

चतुर्थ अध्याय : **झाँसी वर्णन** 67

मोरोपंत तांबे जी की मुलाकात • दत्तक प्रकरण • गोरे लोगों की संरक्षण हेतु याचना • काम्य ग्रहयज्ञ • दानशूर लक्ष्मीबाई • बाईसाहब का दिनक्रम • झाँसीवाली की अश्वपरीक्षा • प्रजा-पालक झाँसीवाली • झाँसी में नाटक तथा होली • नारायण शास्त्रीबाबा की कथा • झाँसी पर आक्रमण की तैयारी • बाणपुर के राजा को दगाबाजी की सूचना • झाँसी पर आक्रमण • युद्ध का तीसरा दिन • युद्ध का आठवाँ दिन • युद्ध का ग्यारहवाँ दिन • धोखेबाजी से घात • दुलाजीसिंह परदेसी • दीन झाँसी • अंग्रेज सेना को चीर कर कालपी की ओर • सुरंग में एक भयानक दोपहर • लूट और कत्ल का सिलसिला • मोरोपंत तांबे जी को फांसी

पंचम अध्याय : **कालपी की राह पर** 109

चित्रकूट की राह पर • श्रीमंत पेशवे को भेंट का निमंत्रण और कैद • गुजराती साहूकार • चाचा को लू लग गई • श्रीमंत जी ने ग्वालियर जीत लिया • मुझे नारू ने पछाड़ दिया • श्रीमंत ने बूंदीकोट जीत लिया • नया संकट • श्रीमंत पर नर्मदा की कृपा

षष्ठ अध्याय : **बिलसिया का तुला दान** 139

नैमिषारण्य में • अयोध्या नगरी में • बंदरों का उपद्रव • अयोध्या के बारे में एक कथा • लखनऊ शहर में • हिंगणे के साथ काशी-यात्रा

परिशिष्ट 153

गंगा की काँवर • ग्वालियर की राह पर • फिर एक बार झाँसी में • नया संकट और उससे छूटकारा • सत्व परीक्षा • श्री क्षेत्र नेमावर • सप्तशृंगी पर • माता-पिता से भेंट

Scanned by CamScanner

Scanned by CamScanner